311. मारवाड़ के प्रसिद्ध घुड़ला उत्सव (घुड़ला नृत्य) की शुरुआत जोधपुर के किस शासक के काल में हुई?

(a) राव मालदेव (b) राव जोधा
(c) राव रणमल (d) राव सातल

कनिष्ठ अभियन्ता (डिप्लोमाधारक)-10-05-2022

Ans. (d) : मारवाड़ के प्रसिद्ध घुड़ला उत्सव (घुड़ला नृत्य) की शुरूआत राव सातल के शासनकाल में हुई। 1490 के दशक में जोधपुर के राव सातल ने अजमेर के सुबेदार मल्लू खाँ, सिरिया खाँ एवं घुड़ले खाँ को पराजित कर लगभग 140 महिलाओं को युक्त कराया। घुड़ले खाँ के सिर के खरों ओर महिलाओं ने नृत्य किया जो इस नृत्य का प्रारम्भ माना जाता है।

312. घुड़ला नामक नृत्यशैली का सम्बन्ध निम्न में से राजस्थान के किस शहर से है?

(a) भीलवाड़ा (b) जोधपुर
(c) जयपुर (d) उदयपुर

उद्योग प्रसार अधिकारी -2018 (22 जुलाई, 2018)

Ans. (b) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

313. नाथद्वारा के डांग नृत्य में निम्न वाद्य यंत्र का प्रयोग किया जाता है-

(a) ढोल (b) मांडल
(c) थाली (d) उपरोक्त सभी

कनिष्ठ अभियंता (कृषि) सीधी भर्ती परीक्षा-10.09.2022

Ans. (d) नाथद्वारा के डांग नृत्य में ढोल, मांडल, थाली आदि वाद्य यंत्रों का प्रयोग किया जाता है। डांग नृत्य होली पर किये जाने वाला स्त्री तथा पुरुषों का युगल नृत्य है। इसमें पुरुष भगवान श्रीकृष्ण व स्त्री राधा का रूप धारण कर नृत्य करते हैं।

314. 'वालर नृत्य' किस जाति का लोक नृत्य है?

(a) भील (b) गरासिया
(c) गुर्जर (d) मीणा

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (भौतिक) भर्ती परीक्षा-2019
पशुधन सहायक भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (b) – वालर नृत्य गरासिया जनजाति द्वारा किया जाने वाला इस नृत्य है। यह नृत्य स्त्री-पुरुष द्वारा मिलकर किया जाता है। नृत्य को बिना वाद्य यंत्र के धीमी गति से किया जाता है। वालर नृत्य में दो अर्द्धवृत्त बनाते हैं, बाहर के अर्द्धवृत्त में पुरुष तथा अन्दर के अर्द्धवृत्त में महिलाएँ होती हैं। नृत्य का प्रारम्भ एक पुरूष हाथ में छाता या तलवार लेकर करता है।

315. निम्न में से कौन-सा गरासिया जनजाति से सम्बन्धित नृत्य है?

(a) घुड़ला (b) वालर
(c) गैर (d) गवरी

कर सहायक भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (b) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

316. भीलों के किस नृत्य में नकली स्पर्धा जन्य युद्ध प्रदर्शित किया जाता है?

(a) बागड़िया (b) गैर
(c) हाथीमना (d) नेजा

RPSC College Lecturer (Sanskrit Education) 2022

Ans. (c) : भील जनजाति राजस्थान राज्य की एक प्रमुख जनजाति है। इस जनजाति द्वारा अलग-अलग अवसर पर अलग-अलग लोकनृत्य का आयोजन किया जाता है यथा-हाथीमना, गैर, घूमर, राई आदि। इसमें हाथीमना नृत्य में नकली स्पर्धाजन्य युद्ध को प्रदर्शित किया जाता है। यह नृत्य भील जनजाति के पुरुषों द्वारा विवाह के अवसर पर घुटनों के बल बैठकर तलवार घुमाते हुए किया जाता है।

317. मुगल सम्राट शाहजहाँ के समय से ही प्रसिद्ध 'नाहर नृत्य' की खेलने की परम्परा कहाँ प्रचलित है-

(a) माण्डल (b) चाकसू
(c) चौमू (d) किशनगढ़

Patwar-Exam-2016 (Main) -24.12.2016

Ans. (a) – मुगल बादशाह शाहजहाँ के समय से ही प्रसिद्ध 'नाहर नृत्य' खेलने की परम्परा माण्डल (भीलवाड़ा, राजस्थान) में प्रचलित है। यह उत्सव होलिका दहन के पश्चात चैत्रमास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी यानि होली पर को मनाया जाता है।

318. निम्न में से कौन सा लोक नृत्य होली पर नहीं किया जाता?

(a) गैर (b) नेजा
(c) चंग (d) पणिहारी

महिला सुपरवाइजर भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (d) – पनिहारी नृत्य राजस्थान राज्य का एक प्रसिद्ध लोकनृत्य है। यह नृत्य राजस्थान के कालबेलिया समुदाय की महिलाओं द्वारा किया जाता है। पनिहारी एक राजस्थानी शब्द है जो पानी लाने वाली महिलाओं को सन्दर्भित करता है। गैर, नेजा और चंग राजस्थान के प्रमुख लोकनृत्य है जो होली के त्योहार के अवसर पर किये जाते हैं।

319. निम्नलिखित में से कौन-सा नृत्य जसनाथी संप्रदाय के अनुयायीयों द्वारा किया जाता है?

(a) अग्नि नृत्य (b) घूमर नृत्य
(c) बम नृत्य (d) ढोल नृत्य

कृषि पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (a) – **<u>अग्नि नृत्य</u>**– अग्नि नृत्य जसनाथी सम्प्रदाय का प्रसिद्ध नृत्य है। इसका उद्‌गम स्थल बीकानेर जिले के कतरियासर गाँव में है। यह मुख्यतः चुरु, नागौर और बीकानेर की जाट जाति का नृत्य है। यह नृत्य धधकते अंगारों पर पुरुषों द्वारा किया जाता है। नृत्यकार अंगारों से 'मतीरा फोड़ना' का कार्य करते हैं।

320. 'बम' नृत्य जो अलवर भरतपुर में प्रसिद्ध है। यहाँ 'बम' शब्द से क्या तात्पर्य है?

(a) नयी फसल
(b) पुरुषों का समूह
(c) भगवान शिव का उच्च स्वर
(d) नगाड़ा

कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत/यांत्रिक)-2020

Ans. (d) – अलवर व भरतपुर (मेवात क्षेत्र) में होली के अवसर पर ''बम'' नृत्य किया जाता है। यहाँ बम का तात्पर्य ''नगाड़ा'' से है। यहाँ पुरुष और महिलाएँ नगाड़ा (ड्रम) के साथ नृत्य करते हैं। बम या नगाड़े के साथ रसिया गाने से ही इस नृत्य को बमरसिया भी कहा जाता है।